[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5838 **L**

Unique Paper Code : 2135001004

Name of the Paper : Sanskrit Narratology

Name of the Course : **Common Prog. Group (GE.)**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for candidates:

(a) इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना **रोल नम्बर** लिखें।
Write your **Roll. No**. on the top immediately on receipt of this question paper.

(b) अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

(c) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. ऋग्वैदिक सूक्त किस प्रकार विकसित होकर व्यवस्थित संस्कृत कथाओं में परिवर्तित हुए-उदाहरण सहित स्पष्ट करें। 18
Examine how early Ṛgvedic Sūkta evolved into structured Sanskrit narrative traditions. Illustrate your answer with suitable examples.

अथवा/or

बृहत्कथा परंपरा की कथात्मक संरचना तथा उसके बाद के संस्कृत साहित्य पर प्रभाव का मूल्यांकन करें।
Evaluate the narrative architecture of Bṛhatkathā traditions and their influence on later Sanskrit literature.

2. संस्कृत आख्यान साहित्य के प्रमुख विषेषताओं के विषय में विस्तार से प्रकाश डालिये। 18
Discuss in detail the main characteristics of Sanskrit narrative literature.

अथवा/or

कथावाचन के उद्भव एवं उद्देश्यों की चर्चा किजिये।
Discuss the origin and objectives of storytelling.

P.T.O.

3. संस्कृत कथाशास्त्र की प्रमुख विशेषताएँ—चक्रीयता, शैलीकरण और स्थानिकता—का वर्णन करें। 18

Explain key features of Sanskrit narratology such as cyclicality, stylisation, and spatialisation.

अथवा/ or

संस्कृत परंपरा में नाटक और नृत्य कथात्मक माध्यम के रूप में कैसे कार्य करते हैं?

How do drama and dance function as narrative tools in Sanskrit tradition?

4. पंचतंत्र और हितोपदेश के शिक्षात्मक महत्व पर चर्चा करें। 18

Discuss the educational significance of Pañcatantra and Hitopadeśa.

अथवा/or

अन्य देशों एवं संस्कृति में पंचतन्त्र का विस्तार किसरूप में हुआ, चर्चा क़िजिये।

Discuss the forms in which the Panchatantra expanded into other countries and cultures.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3x6=18

Write short notes on any three of the following:

(i) संवाद सूक्त (Saṁvāda Sūktas)

(ii) कुशीलव परंपरा (Kuśīlava tradition)

(iii) कल्पनात्मकता (Imagination)

(iv) कथासत्र (Kathāsatra)

(v) लघुचित्र परंपरा (Miniature art tradition)

(vi)सांस्कृतिक अनुकूलन (Cultural adaptation)

(vii) समय का लचीलापन (Elasticity of time)